PC-108/A

J-3/2041

हिन्दी कविता

Paper–I

Time : Three Hours] [Max. Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र पाँच भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग-एक

I. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें।

(क) नाम अजामिल से खल कोटि अपार नदी भव बूड़त काढ़े।
जो सुमिरे गिरि-मेरु सिला-कन, होत अलाखुर बारिधि बाढ़े।।
तुलसी जेहि के पदपंकज तैं प्रगटी तटिनी जो हरै अघ गाढ़े।
सो प्रभु स्वै सरिता तरिबै कहँ माँगत नाव करारे है ठाड़े।।

(ख) सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरूनि चलत रेनु-तन-मंडित, मुख दधि लेप किए।
चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिए।
लट-लटकनि मनुमत्त मधुप मन मादक मधुहिं पिए।
कठुला-कंठ, बज्र केहरि नख, राजत रूचिर हिए।
धन्य सूर एको पल इहिँ सुख, का सत कल्प जिए।।

(ग) पाँणी ही तैं हिम भया, हिम ह्वै गया बिलाय।

जो कुछ था सोई भया, अब कछु कहा न जाय।।

(घ) पत्रा हीं तिथि पाइयतु, वा घर कैं चहुँ पास।

नितप्रति पून्यौई रहै, आनन-ओप-उजास।। (2×8=16)

भाग-दो

II. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें।

(क) अभी न होगा मेरा अन्त।

अभी-अभी ही तो आया है

मेरे वन में मृदुल बसंत–

कभी न होगा मेरा अन्त।

(ख) उनसे कैसे छोटा है

मेरा यह भिक्षुक जीवन?

उनमें अनन्त करुणा है

इसमें असीम सूनापन !

(ग) मैं उन्मत्त प्रेम की लोभी हृदय दिखाने आई हूँ।

जो कुछ है, बस यही पास है; इसे चढ़ाने आई हूँ।।

चरणों पर अर्पित है। इसको चाहो तो स्वीकार करो।

यह तो वस्तु तुम्हारी ही है–ठुकरा दो या प्यार करो।।

(घ) हाय वहै भारत भुव भारी।

सबही विधितें भई दुखारी।।

रोम, ग्रीस पुनि निज बल पायो।

सब विधि भारत दुखित बनायो।। (2×8=16)

भाग-तीन

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें।

(क) जायसी के नागमती वियोग खण्ड पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(ख) सूरदास के जीवन एवं रचनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(1×14=14)

भाग-चार

IV. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें।

(क) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट करें।

(ख) अज्ञेय की काव्य भाषा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(1×14=14)

भाग-पाँच

V. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार उत्तर दें।

1. कबीर का जीवन परिचय दें।

2. तुलसीदास की रचनाओं के नाम लिखें।

3. बिहारी के शृंगार संबंधी दोहे का एक उदाहरण लिखें।

4. 'भ्रमरगीत' के केन्द्रीय भाव पर चर्चा करें।

5. 'नागमती संदेश खण्ड' का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

6. 'मेरे नाविक' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

7. 'मुर्झाया फूल' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट करें।

8. 'हारिल' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

9. हरिवंश राय बच्चन का जीवन परिचय लिखें।

10. 'एक वाक्य' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें। (10×4=40)